10 करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले 9 बदमाश गिरफ्तार

राजस्थान सहित 6 राज्यों में काफी वारदातों को अंजाम दे चुका है यह शातिर गिरोह

जयपुर । साइबर सेल जयपुर दक्षिण,पत्रकार कॉलोनी और श्याम नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए राजस्थान सहित छह राज्यों में दस करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले नौ ठगों को गिरफ्तार किया है। जो पत्रकार कॉलोनी और श्याम नगर थाना इलाके में स्थित दो होटलों में छिपे बैठे थे।

पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित ऑनलाइन गेम्स, सट्टा व शेयर मार्केट में इन्वेस्ट पर प्रॉफिट का लालच देकर किराए के बैंक अकाउंट्स से साइबर धोखाधडी करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बडी संख्या में बैंक चैक बुक, एटीएम कार्ड, पासबुक और मोबाइल सिमकार्ड बरामद किए है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि इबर सेल जयपुर दक्षिण,पत्रकार कॉलोनी और श्याम नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए राजस्थान सहित 6 राज्यों में 10 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधडी करने वाले ठग रामस्वरूप उपाध्याय (30) निवासी पॉचू जिला बीकानेर व कार्तिक जोशी उर्फ बिट्टू (21) निवासी डूगरगढ जिला बीकानेर और मास्टर माइंड एसएम घोष लाजम (37) निवासी टूट्टोन आंध प्रदेश, शेख मोलाली (30) निवासी टूटोन वैयतसर आंध प्रदेश, रायपुरी कुमार (26) निवासी बेयतसर आंध प्रदेश, कुडडुमला पवन कुमार रेड्डी (26) निवासी बेयतसर आंध प्रदेश, करण सिंह (19) निवासी शाहपुरा भीलवाडा हाल हस्थिनापुर कॉलोनी वैशाली नगर, अमन कुमार (32) निवासी गोल्सावास मानसरोवर व संदीप कुमार उर्फ सीनू नारनोलिया (21) निवासी गुढागौडजी झुंझुनूं हाल साकेत कॉलोनी किरण पथ जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। गैंग के बदमाश ऑनलाइन गेम्स, सट्टा व शेयर मार्केट में इन्वेस्ट पर प्रॉफिट का लालच देकर किराए के बैंक अकाउंट्स से साइबर ठगी करते है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 56 डेबिट कार्ड, एक लेपटॉप, 32 मोबाइल मय सिमकार्ड व 8 सिमकार्ड, 8 चैक बुक, 11 पासबुक और एक फेक कंपनी की सील मोहर और 2 हिसाब-किताब के रजिस्टर बरामद किए है। गैंग के बैंक अकाउंट्स के खिलाफ विभिन्न राज्यों राजस्थान, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों के साइबर पोर्टल पर 30 से अधिक शिकायतें दर्ज है। एक साल में करीब 10 करोड की साइबर ठगी का खुलासा हुआ है।

गौतलब है कि पुलिस ने पत्रकार कॉलोनी स्थित होटल से रामस्वरूप और कार्तिक को पकडा। दूसरी कार्रवाई श्याम नगर इलाके में स्थित होटल में कर छिपे बैठे मास्टर माइंड सहित सात ठगों को पकडा गया।

साइबर सेल जयपुर दक्षिण, पत्रकार कॉलोनी और श्याम नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 9 शातिर ठगों को गिरफ्तार किया।

- आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में बैंक चैक बुक, एटीएम कार्ड, पासबुक और मोबाइल सिमकार्ड बरामद
- ऑनलाइन गेम्स, सट्टा व शेयर मार्केट में इन्वेस्ट पर प्रॉफिट का लालच देकर किराए के बैंक अकाउंट्स से करते थे धोखाधड़ी

बर्फ फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक होने से मची अफरा-तफरी

जयपुर । बनीपार्क इलाके में बुधवार सुबह एक बर्फ फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक होने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने मुख्य वाल्व बंद कर हालात पर काबू पाया। समय रहते गैस रिसाव पर काबू पाने से हादसा टल गया। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

एएसआई तेजराम ने बताया कि शास्त्री नगर के पानी पेच इलाके में शुभ आइस फैक्ट्री में यह हादसा हुआ था। जहां अमोनिया गैस के स्टोरेज सिस्टम का एक पाइप लीक हो गया। इससे गैस रिसाव हो गया। इसके बाद हडकंप मच गया और अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस और फायर स्टेशन पर सूचना दी। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अमला तुरंत हरकत में आ गया। मौके पर दमकल की आधा दर्जन गाडियां पहुंची हैं। दमकलकर्मियों ने गैस सप्लाई से जुड़ा मुख्य वॉल्व बंद कर हालात पर काबू पाया। फिलहाल इस घटना में जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है। गैस लीक की खबर मिलते ही फैक्ट्री में मौजूद सभी मजदूरों को तुरंत बाहर निकाला गया। फैक्ट्री को तत्काल प्रभाव से खाली करा लिया गया है। गैस की बदबू आस-पास के घरों तक फैल गई। लोगों में इस हादसे की सूचना से हड़कंप मच गया।

सार-समाचार

राजीविका व रुमा देवी फाउंडेशन में करार

जयपुर । ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं के कौशल विकास, उद्यिमता संवर्धन एवं सतत आजीविका सृजन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) ने अपनी नई पहल उन्नित इन्क्यूबेशन हब के तहत रुमा देवी फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन राजीविका राज्य मुख्यालय, जयपुर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रुमा देवी फाउंडेशन की ओर से डॉ. रुमा देवी, विक्रम सिंह (डायरेक्टर) एवं उनकी टीम उपस्थित रहे। राजीविका की ओर से अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा, मिशन निदेशक, राजीविका नेहा गिरी, परियोजना निदेशक प्रीति सिंह, राज्य परियोजना प्रबंधक डॉ. पूजा शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएँ संयुक्त रूप से महिलाओं के कौशल उन्नयन, उद्यिमता प्रोत्साहन तथा बाज़ार तक पहुँच सुदृढ़ करने के लिए कार्य करेंगी, जिससे ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकें और उनके उत्पादों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों तक पहुँचाने में सहयोग प्राप्त हो सके। राजीविका की व्यापक संस्थागत पहुँच एवं रुमा देवी फाउंडेशन की जमीनी उपस्थिति तथा क्षेत्रीय विशेषज्ञता के माध्यम से यह साझेदारी ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक उत्थान एवं समावेशी विकास के लिए एक नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को मिला अवार्ड

जयपुर । पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित समारोह में जयपुर के आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह फौजदार को उनकी समाज सेवाओं व उनकी सर्विस के दौरान बेहतर कार्य करने के लिए अवार्ड देकर नवाजा गया। समारोह में देशभर में किए जा रहे ऐसे ही उत्कृष्ट कार्यों के लिए 16 अन्य हस्तियों को नवाजा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपुर के जाने-माने उद्यमी डॉ. नवीन शर्मा ने की। इसके अलावा उत्तर प्रदेश से आए न्यूज के चीफ एडिटर तहसीन सिद्दीकी, छत्तीसगढ़ से आई, स्वच्छ भारत अभियान रायपुर की ब्रांड एंबेसडर डॉक्टर शुभांगी आप्टे सहित अनेक हस्तियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया । इस कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रहे फिल्म एक्टर व प्लेबैक सिंगर सिकंदर राजा हसन जिन्होंने अपनी मधुर आवाज से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

राजस्थान डिजीफेस्ट 4 से 6 जनवरी तक

नई दिल्ली। राजस्थान डिजीफेस्ट के लिए बुधवार को नई दिल्ली में कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह फेस्ट टी.आई.ई. ग्लोबल समिट के सहयोग से राजस्थान सरकार द्वारा 4-6 जनवरी 2026 को जयपुर के जयपुर एक्सिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम राजस्थान सरकार के उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा मामले और खेल मंत्री, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, भारत सरकार में डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया, टी.आई.ई. दिल्ली के विशेष अध्यक्ष, डॉ. सौरभ श्रीवास्तव और राजस्थान सरकार के सचिव और कमिश्नर डॉ. रवि कुमार सुरपुर उपस्थित रहे। कर्नल राज्यवर्द्धन राठौड़ ने कहा कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में यह समिट टेक्नोलॉजी, विकास और स्थिरता के स्तंभों पर आधारित है। यह पहली बार किसी नॉन-मेट्रो शहर में आयोजित की जा रही है, जो यह दर्शाता है कि राजस्थान अब टेक्नोलॉजी, नवाचार और स्टार्टअप्स का उभरता हुआ केंद्र बन रहा है।

करवाचौथ स्पेशल प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर । रूनझुन पायल डांस ग्रुप द्वारा करवा चौथ स्पेशल कार्यक्रम का आयोजन होटल ग्रैंड सफारी मे हुआ। इस अवसर पर चीफ़ गेस्ट मैनेजिंग डायरेक्टर - एजिस जॉब्स प्रा. लि., स्टेट प्रेसिडेंट अल्का बत्रा मौजूद रहीं । उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाते हैं और महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ मंच प्रदान करते है। कार्यक्रम में करवा चौथ महारानी, करवा चौथ रानी, बेस्ट करवा थाली, बेस्ट ड्रेस, बेस्ट हेयरस्टाइल, बेस्ट लुकिंग, बेस्ट रैम्पवॉक, बेस्ट डांस और बेस्ट सिंगिंग जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश और पारंपरिक परिधान में भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को विशेष ट्रॉफी एवं सम्मान पत्र प्रदान किए गए। विजेताओं को सम्मानित करते हुए अल्का बत्रा ने कहा कि यह पुरस्कार केवल सौंदर्य या परिधान का नहीं, बल्कि प्रतिभा, आत्मविश्वास और परंपरा के सम्मान का प्रतीक हैं। विशेष आकर्षण के रूप में लकी ड्रॉ भी आयोजित किया गया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम संयोजक रजनी कोठारी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को एक मंच देना और करवा चौथ जैसे पारंपरिक पर्व को मनोरंजन एवं उत्सव के रूप में मनाना था।

सेवन स्टार ब्रांड का 200 लीटर तेल सीज

जयपुर । दीपावली पर्व पर चलाए जा रहे विशेष खाद्य सुरक्षा अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने बांसखोह और बस्सी कस्बे में कार्यवाही करते हुए सेवन स्टार ब्रांड का 200 लीटर सरसों तेल सीज किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ मनीष मित्तल ने बताया कि इस दौरान फर्म सत्यनारायण जैन किराना स्टोर से घी नमूना और ओजट स्वीट्स पर निरीक्षण करके मावा और बेसन लड्डू का नमूना लिया गया। इसके पश्चात बस्सी स्थित हरियाणा ट्रेडिंग कंपनी पर निरीक्षण कर सेवन स्टार ब्रांड का 200 लीटर सरसों तेल का नमूना लेकर शेष स्टॉक को सीज किया गया। खाद्य पदार्थ जांच लैब से रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चंद यादव, अवधेश गुप्ता और नंदकिशोर कुमावत शामिल रहे।

अवधिपार 1976 पैकेट नमकीन नष्ट कराई

जयपुर । राज्य सरकार के शुद्ध आहार - मिलावट पर वार अभियान को और प्रभावी बनाते हुए आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम की ओर से शाहपुरा (जयपुर) क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान शिव ट्रेडिंग कंपनी, शाहपुरा पर कार्यवाही करते हुए घी (आरएनए डेयरी मिल्क) का नमूना लिया गया। मौके पर रखे 675 लीटर घी को सीज किया गया। लक्ष्मी वंदन स्टोर, शाहपुरा मंडी पर पैक्ड मिठाई का नमूना लिया गया तथा 1976 पैकेट नमकीन की अवधि समाप्त पाई गई, जिन्हें जनहित में नष्ट करवाया गया। अग्रवाल ट्रेडिंग कंपनी, शाहपुरा मंडी से मसालों के नमूने जांच हेतु लिए गए। सभी नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं, जिनकी रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

मंत्री दक ने सहकार सदस्यता अभियान की प्रगति रिपोर्ट ली

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर 'सहकार सदस्यता अभियान' की प्रगति जानी।

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा 'सहकार सदस्यता अभियान' प्रदेश में सहकारिता का नेटवर्क अधिक मजबूत करने की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों से पूरी क्षमता और ऊर्जा से प्रयास कर इस अभियान को सफल बनाने का आव्हान करते हुए कहा कि अभियान की सफलता से राज्य का सहकारी आन्दोलन सशक्त होगा और बडे स्तर पर लोग सहकारिता से जुडी योजनाओं से लाभान्वित हो पाएंगे।दक बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से 'सहकार सदस्यता अभियान' की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में सहकारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की मंशा है कि सहकारी आन्दोलन की गांव-ढ़ाणी तक पहुंच हो और अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हों। राज्य सरकार भी इस कार्य में पूरा सहयोग कर रही है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा नियमित रूप से इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अत: हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हुए इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाएं। दक ने बैठक में अभियान के पांचों बिंदुओं पर खंडवार एवं जिलेवार विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अभियान के अंतर्गत अब तक की प्रगति आशानुरूप नहीं होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को अभियान की शेष अवधि में अधिक प्रयास कर निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने सदस्यता के बिन्दु पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक क्षेत्र एवं हर गांव तक सहकारी समितियों से नए सदस्य जोडना इस अभियान का उद्देश्य है। इसके लिए पैक्स स्तर तक लक्ष्य आवंटित किए जाएं। साथ ही, आंकडों का विश्लेषण कर तथा कम प्रगति वाले ब्लॉक्स को चिह्नित कर उन पर अधिक फोकस किया जाए। उन्होंने सभी अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं समस्त जिला उप रजिस्ट्रार को प्रतिदिन पैक्स स्तर तक चर्चा करने के निर्देश दिए। सहकारिता मंत्री ने सभी जिला प्रभारियों को प्रतिदिन पैक्स व्यवस्थापकों से लोकेशन सहित फोटो मंगवाने के निर्देश दिए, जिससे पैक्स में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

रिटायर कर्मचारी को 22 साल पहले दिए चयनित वेतनमान को कम करने का आदेश रद्द

जयपुर । राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने भू-जल विभाग के कर्मचारी का 22 साल पहले चयनित वेतनमान को कम करने वाले आदेश को रद्द कर दिया है। वहीं विभाग को निर्देश दिए है कि यदि प्रार्थी कर्मचारी से कोई वसूली की गई है तो उसे 6 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाया जाए। अधिकरण ने यह आदेश चौथीराम की अपील पर दिए।

मामले से जुडे अधिवक्ता सीपी शर्मा ने बताया कि प्रार्थी को सेवा में 18 साल पूरा होने पर 29 जून 1998 को चयनित वेतनमान के तौर पर 3200-4900 की पे स्केल दी गई, लेकिन उसके रिटायरमेंट से 15 दिन पहले ही 14 अगस्त 2020 को चयनित वेतनमान के तौर पर पहले दिए गए वेतन श्रृंखला के लाभ को विभाग ने वापस ले लिया। इसके अलावा उसकी न्यूनतम वेतन श्रृंखला 2750-4400 रुपए करते हुए उसके खिलाफ ज्यादा दिए गए वेतन की रिकवरी का आदेश निकाल दिया। इसे अधिकरण में चुनौती देते हुए चयनित वेतनमान को वापस लेने वाले आदेश को रद्द करने का आग्रह किया। अपील में कहा गया कि अपीलार्थी को दो दशक से भी अधिक समय के पहले दिए गए लाभ को अब वापस नहीं लिया जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने प्रार्थी को राहत देते हुए कहा कि विभाग इतने साल बाद किसी कर्मचारी को दिए गए चयनित वेतनमान के तौर पर दी गई वेतन श्रृंखला को कम नहीं कर सकता। ऐसे में प्रार्थी के वेतन को कम कर उसे फिक्स करने वाले आदेश को निरस्त करना सही होगा। इसके साथ ही यदि उससे कोई रिकवरी की है तो उसे 6 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाया जाए।

अवैध निर्माण और सफाई पर ड्रोन से निगरानी रखेगा हैरिटेज निगम

निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने देखा ड्रोन मॉनिटरिंग का लाइव डेमो, जल्द शुरू की जाएगी यह निगरानी

जयपुर । यूनेस्को की हैरिटेज सूची में दर्ज जयपुर परकोटे में दिनोंदिन हो रही अवैध निर्माणों और सफाई व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए हैरिटेज नगर निगम प्रशासन अब ड्रोन कैमरों से मॉनिटरिंग करेगा। हैरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने बुधवार को लाइव डेमो देखा।

निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने करीब एक घंटे तक शहर में ड्रोन से अवैध निर्माण और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान लाइव डेमो के दौरान निगम आयुक्त ने मौके पर चल रहे अवैध निर्माण को चिह्नित भी किया और संबंधित शाखा को कार्रवाई के निर्देश दिए।

हालांकि निगम आयुक्त ने प्रोजेक्ट में कुछ आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए, ऐसे में जल्द ही हेरिटेज निगम क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी योजना शुरू की जाएगी। डेमो राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की छत से किया गया। इस दौरान हेरिटेज निगम के एनालिस्ट कम प्रोग्रामर उप निदेशक दीपचंद शर्मा, पुलिस निरीक्षक श्रीमोहन मीणा, आई टी एक्सपर्ट आदित्य तिवारी सहित अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने बताया कि हेरिटेज निगम क्षेत्र में व्यवस्थाओं में सुधार के लिए ड्रोन मॉनिटरिंग योजना पर काम किया जा रहा है। बुधवार को जोरावर सिंह गेट राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान परिसर से ड्रोन उडाया गया। इस योजना का उद्देश्य परकोटे में अवैध निर्माण पर रोक, निराश्रित पशुओं पर निगरानी और सफाई व्यवस्था को सुदृढ बनाना है। डेमो के दौरान ब्रह्मपुरी क्षेत्र में अवैध निर्माण को चिह्नित किया गया। इस दौरान लाइव फोटो और वीडियो संबंधित जोन शाखा को भिजवाई और कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। वहीं, कंवर नगर में ओपन कचरा डिपो को भी चिन्हित कर सफाई कर डिपो खत्म किया गया। उन्होंने बताया कि लाइव डेमो के दौरान ड्रोन में कुछ आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए है, ड्रोन में नाइट विजन, साउंड सिस्टम भी सम्मिलित किया जाएगा। योजना को जल्द भी धरातल पर उतारा जाएगा। इससे लाइव मॉनिटरिंग भी की जाएगी। जिसमें परकोटे में सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण, अवैध निर्माण, रूट क्लीनिंग, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था, जाम की समस्या जैसी समस्याओं पर निगरानी की जा सकेगी।

- कमिश्नर ने तीन किलोमीटर के दायरे में लाइव मॉनिटरिंग करते हुए अवैध निर्माण, अवैध पशु डेयरी को चिन्हित किया, कार्रवाई के निर्देश भी दिए

हैरिटेज निगम कमिश्नर डॉ. निधि पटेल ने बुधवार को ड्रोन मॉनिटरिंग का डेमो देखा।

बरसात से कटाई के बाद रखी फसल खराब होने पर भी मिल सकेगा बीमा क्लेम, 72 घण्टे में देनी होगी सूचना

जयपुर । राज्य में वर्तमान में हो रही बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि, चक्रवाती वर्षा एवं चक्रवात से कटाई के बाद 14 दिन तक की अवधि के लिए खेत में सुखाने के लिए रखी फसल खराब होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नुकसान की भरपाई हो सकेगी।

- राज्य में वर्तमान में हो रही बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि, चक्रवाती वर्षा एवं चक्रवात से कटाई के बाद 14 दिन तक की अवधि के लिए खेत में सुखाने के लिए रखी फसल खराब होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नुकसान की भरपाई हो सकेगी।

जिसके लिए प्रभावित बीमित फसल के काश्तकार को 72 घण्टे के भीतर खराबे की सूचना कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन नम्बर 14447 पर अथवा क्रोप इन्श्योरेंस ऐप, नजदीकी बैंक या कृषि कार्यालय में लिखित में देनी होगी। कृषि विभाग नें बीमा कम्पनियों को प्राप्त सभी इन्टीमेशन का तत्काल सर्वे कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत असामयिक वर्षा के कारण फसल कटाई उपरान्त खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन की अवधि में नुकसान होने पर व्यक्तिगत आधार पर बीमा आवरण उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि असामयिक वर्षा से प्रभावित काश्तकारों के लिए बीमित फसल के नुकसान की सूचना 72 घण्टे के भीतर जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी, नजदीकी बैंक या कृषि कार्यालय में देना जरूरी है, ताकि नुकसान का आंकलन कर बीमा क्लेम देने की कार्यवाही की जा सके। फसल में हुए नुकसान की सूचना टॉल फ्री नम्बर पर दी जा सकती है। इसके अलावा प्रभावित किसान जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी, नज़दीकी कृषि कार्यालय अथवा सम्बन्धित बैंक को भी हानि प्रपत्र भरकर सूचना दे सकते है।

विभागीय अधिकारियों एवं बीमा कम्पनियों को तत्काल फील्ड में पहुंचकर फसल खराबे का सर्वे प्रारंभ करने के निर्देश दिए है, ताकि प्रभावित किसानों को बीमित फसलों के नुकसान का क्लेम दिलवाकर राहत प्रदान की जा सके। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने बताया कि तकनिकी कारणों से टॉल फ्री नम्बर पर बीमित कृषको द्वारा पोस्ट-हार्वेस्ट लॉसेज के हानि के इन्टीमेशन दर्ज नहीं हो पाने की स्थिति में निकटतम कृषि कार्यालय या जिस गांव में हानि हुई है वहां पर कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा नियत अवधि में कैंप लगाकर पात्र बीमित कृषकों से इन्टीमेशन प्राप्त कर संबंधित बीमा कंपनी को उसी दिन सुपुर्द करने के निर्देश जारी किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि अधिसूचित इकाइ क्षेत्र में फसल के कुल बीमित क्षेत्र के 25 प्रतिशत से अधिक के लॉस की सूचना प्राप्त होती है तो अधिसूचित इकाई के बीमित कृषक तथा जिनके द्वारा बीमा कम्पनी को निर्धारित समय में पॉस्ट-हार्वेस्ट हानि का इन्टीमेशन किया गया है, को सेम्पल सर्वे के आधार पर क्षितपूर्ती देय होगी।

मंत्रियों और किसानों का प्रतिनिधिमंडल डेनमार्क रवाना

जयपुर। राजस्थान की कृषि को आधुनिक तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को डेनमार्क के छह दिवसीय दौरे पर रवाना हुआ। प्रतिनिधिमंडल में राज्य के मंत्रीगण, विभागीय अधिकारी और चुने हुए प्रगतिशील किसान शामिल हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे से रवाना हुए इस प्रतिनिधिमंडल में डेयरी एवं पशुपालन गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, जोराराम कुमावत, ओटाराम देवासी, और सी.आर. चौधरी जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। दल के सदस्य कोपेनहेगन (डेनमार्क) में आधुनिक कृषि पद्धितयों, डेयरी प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा आधारित कृषि मॉडल और एग्रो-प्रोसेसिंग यूनिट्स का अध्ययन करेंगे। जवाहर सिंह बेढ़म ने दौरे से पहले कहा, "डेनमार्क टिकाऊ कृषि और डेयरी नवाचारों में अग्रणी है।

इस दौरे से राजस्थान के किसान वैश्विक तकनीक और आधुनिक कृषि मॉडल से रूबरू होंगे, जिससे प्रदेश की खेती को नई दिशा मिलेगी।" दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल कई अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थानों और तकनीकी कंपनियों से मुलाकात करेगा। साथ ही, राजस्थान और डेनमार्क के बीच कृषि सहयोग एवं ज्ञान साझेदारी को लेकर संभावित समझौतों की भी उम्मीद जताई जा रही है।

डिजिटल अरेस्ट करके 23.56 लाख रु. ठगने वाला गिरफ्तार

जयपुर । साइबर थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक 75 वर्षीय बुजुर्ग से 23.56 लाख रुपये की बड़ी ठगी करने वाले संगठित गिरोह के एक और सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जयपुर में फर्जी पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर की गई ठगी के मामले में की गई है।

डीआईजी साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि 27 मई को जयपुर निवासी परिवादी ने साइबर थाना राजस्थान में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जालसाजों ने उन्हें मोबाइल फोन पर फर्जी पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी दी और उनसे 23 लाख 56 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और पूर्व में सुरेश कुमार, प्रहलाद कुमावत, ओमप्रकाश, भूपेश, वशुल सन्नी कुमार और रेहान मकन्दर को गिरफ्तार किया था।

अनुसंधान के दौरान पुलिस ने ठगी की गई राशि के लाभार्थियों पर ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान प्रथम लाभान्वित खाताधारक सुरेश उर्फ सुरेंद्र के खाते में प्राप्त कुल 23 लाख 56 हजार रुपये की राशि की जांच की गई। जांच में एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया, जिसके खाते में इस ठगी की 89 लाख 335 की राशि प्राप्त हुई थी। इस बाल अपचारी के खाते में अन्य पीड़ितों की ठगी के 9 लाख 58 हजार 350 भी आना पाया गया। बाल अपचारी से पूछताछ में सामने आया कि उसने अपना बैंक खाता, एटीएम और मोबाइल सिम साइबर ठगी के गिरोह के सदस्य कमलेश कुमार सेरावत पुत्र नारायण लाल (22) निवासी मुन्या वाली ढाणी, भोपावास, सामोद, जयपुर को 4 हजार के कमीशन पर दिया था। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए साइबर पुलिस ने गिरोह के सदस्य कमलेश कुमार सेरावत को गिरफ्तार कर लिया। डीआईजी शर्मा और एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार के सुपरविजन में मुल्जिम कमलेश कुमार सेरावत से पूछताछ जारी है। आरोपी कमलेश कुमार सेरावत के स्वयं के बैंक खाते में तीन अन्य राज्यों से ठगी की शिकायतें आई हैं, जिससे यह गिरोह के अंतर्राज्यीय लिंक की ओर इशारा करता है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है। साइबर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि फर्जी पुलिस,सीबीआई अधिकारियों के फोन आने पर घबराएं नहीं और किसी भी स्थिति में अपनी बैंक जानकारी या ओटीपी किसी को साझा न करें। ऐसे किसी भी कॉल की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

- जयपुर के 75 वर्षीय बुजुर्ग को फर्जी पुलिस-सीबीआई अधिकारी बनकर ठगा था